

11C-108

May-2015

B.A., Sem.-II

CC-112 : Hindi

(Hindi Upnyas – Nirmala)

Time : 3 Hours]

[Max. Marks : 70

1. 'निर्मला' उपन्यास की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए । 14
- अथवा**
- ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए ।
- (क) साधारणतः स्त्री पुरुष से कहीं ज्यादा संयमशील होती है । जोड़ का पति पाकर वह चाहे पर-पुरुष से हँसी-दिल्लगी कर ले, पर उसका मन शुद्ध रहता है । बेजोड़ विवाह हो जाने से वह चाहे किसी की ओर आँखें उठाकर न देखे, पर उसका चित्त दुःखी रहता है ।
- (ख) बाधाओं पर विजय पाना और अवसर देखकर काम करना ही मनुष्य का कर्तव्य है । भाग्य के नाम को रोने-कोसने से क्या होगा ?
2. उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'निर्मला' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए । 14
- अथवा**
- संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।
- (अ) 'निर्मला' : शीर्षक की सार्थकता
- (आ) 'निर्मला' का उद्देश्य
3. निर्मला की चरित्रगत विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए । 14
- अथवा**
- संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।
- (क) सुधा
- (ख) प्रेमचंद का कृतित्व

4. 'निर्मला' की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए ।

14

अथवा

'निर्मला' के चोटदार संवाद पाठकों को झकझोर देते हैं, कथन के आलोक में 'निर्मला' की संवाद-योजना पर प्रकाश डालिए ।

5. सूचनानुसार कीजिए ।

14

(अ) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

- (1) उदयभानुलाल की हत्या _____ ने की थी । (भुवन, मतई, चोर, निर्मला)
- (2) चन्द्र निर्मला से _____ साल छोटा था । (तीन, चार, पाँच, सात)
- (3) निर्मला के गहनों की चोरी _____ ने की थी । (मंसाराम, जियाराम, तोताराम, सियाराम)
- (4) _____ प्रेमचंद रचित उपन्यास है । (चन्द्रगुप्त, गबन, पुरस्कार, त्यागपत्र)
- (5) दिन में _____ ही बार पढ़ाता है या कई बार ? (एक, दो, तीन, पाँच)

(आ) निम्नलिखित विधान सही है या गलत बताइए ।

- (1) मंसाराम घर छोड़कर साधु के साथ भाग जाता है ।
- (2) प्रेमचंद का मूल नाम धनपतराय था ।
- (3) कृष्णा सुधा की देवरानी थी ।
- (4) निर्मला की बेटी का नाम मनोरमा था ।

(इ) सही जोड़े मिलाइये :

अ

आ

- | | |
|-------------|---|
| (1) निर्मला | (a) माता, मैं अपने रक्त से इस कालिमा को धो दूँगा । |
| (2) मंसाराम | (b) जीने-मरने का हाल कोई नहीं जानता । |
| (3) तोताराम | (c) बुलाने से तो मौत नहीं आती । |
| (4) सुधा | (d) हम लड़कियाँ हैं, हमारा घर कहीं नहीं होता । |
| (5) कल्याणी | (e) मैं ईश्वर नहीं हूँ, और न डॉक्टर ही को ईश्वर समझता हूँ । |
| | (f) उपवास कर लेना आसान है, विषैला भोजन करना उससे कहीं मुश्किल । |